विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र

गुणवत्ता की ओर एक सशक्त कदम

उत्कर्ष महोत्सव

विद्यालयों की गुणवत्ता के समग्र निरीक्षण का ऐतिहासिक अभियान

vbpurvottar

www.vbpurvottar.com

उत्कर्ष महोत्सव

• शिक्षा • संस्कार • गुणवत्ता • समर्पण

> “जहाँ शिक्षा केवल ज्ञान नहीं,बल्कि संस्कार प्रदान करती है, वहीं से उत्कर्ष की शुरुआत होती है।”

प्रस्तावना

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न प्रांतीय समितियों द्वारा संचालित विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्था तथा समग्र विकास का मूल्यांकन करने हेतु एक अभिनव एवं व्यापक अभियान ‘उत्कर्ष महोत्सव’ का आयोजन किया गया। यह महोत्सव केवल एक निरीक्षण प्रक्रिया नहीं था, बल्कि यह शिक्षा, संस्कार एवं गुणवत्ता संवर्धन का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा।

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार और गुणवत्ता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस महोत्सव की संकल्पना की गई। इसका उद्देश्य विद्यालयों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना, उनकी उपलब्धियों को पहचानना तथा सुधार की दिशा में ठोस मार्गदर्शन प्रदान करना था।

विद्यालय निरीक्षण

विद्यालयों की वास्तविक स्थिति का आंकलन एवं मार्गदर्शन

संकल्प एवं सहभागिता

शिक्षा के उत्थान हेतु सामूहिक प्रयास

प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता

कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर पहुँचाने के लिए **2 फरवरी 2026** को एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

इस माध्यम से समाचार पत्रों एवं स्थानीय टीवी चैनलों को कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया।

इस पहल के कारण अभिभावकों एवं समाज के अन्य वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई।

समाज में जागरूकता एवं सहभागिता के प्रेरक दृश्य

छात्र-छात्राओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता
विद्यालयों के कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण सहभागिता

पत्रकार वार्ता एवं संवाद
स्थानीय मीडिया के साथ सार्थक चर्चा

अभिभावक एवं समाज का सहयोग
शिक्षा के विकास में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका

एकजुट समाज - सशक्त शिक्षा
शिक्षा के लिए मिलकर बढ़ते कदम

> “यह प्रयास दर्शाता है कि विद्या भारती केवल विद्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के व्यापक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।”

सामाजिक सहभागिता एवं शैक्षिक विस्तार के प्रेरक दृश्य

शुभारंभ समारोह

उत्कर्ष महोत्सव 2026

4 फरवरी 2026 | शंकरदेव विद्या निकेतन, विष्णुपथ

इस सुअवसर पर प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही

विद्या भारती अखिल भारतीय
महामंत्री
श्री देशराज
शर्मा जी

विद्या भारती अखिल भारतीय
सह संगठन मंत्री
श्रीराम
अरावकर जी

> “शिक्षा का लक्ष्य केवल ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण है।”

निरीक्षण प्रक्रिया

“सही मूल्यांकन ही सही दिशा देता है।”

उत्कर्ष महोत्सव की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसकी सुव्यवस्थित निरीक्षण प्रणाली रही।
प्रत्येक विद्यालय के निरीक्षण हेतु **पाँच-सदस्यीय** टोली का गठन किया गया।

इन टोलियों ने निम्न बिंदुओं पर विस्तृत निरीक्षण किया।

- आचार्य
- पूर्व छात्र
- अभिभावक
- प्रबंधन समिति सदस्य
- शिक्षाविद

निरीक्षण के मुख्य आयाम

- शैक्षणिक गुणवत्ता
- लेखा-व्यवस्था
- प्रशासनिक व्यवस्था
- अनुशासन
- शिक्षण पद्धति
- संसाधनों का रख–रखाव

निरीक्षण केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि अत्यंत सूक्ष्म एवं गहन अध्ययन पर आधारित था।

आयोजन की पृष्ठभूमि

- उत्कर्ष महोत्सव का विचार अगस्त 2025 में प्रारंभ हुआ, जब विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा सभी प्रांतों को इस अभियान की सूचना प्रेषित की गई।
- इसके पश्चात एक सुव्यवस्थित योजना के तहत विभिन्न चरणों में तैयारी प्रारंभ की गई।
- प्रत्येक प्रांत में निरीक्षण समितियों का गठन किया गया तथा संबंधित विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।
- इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी स्तरों पर समन्वय स्थापित किया गया
- यह महोत्सव 4 से 6 फरवरी 2026 के मध्य आयोजित किया गया, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी प्रांतों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सहभागिता के प्रेरक दृश्य

उत्कर्ष महोत्सव में समर्पित टीम

क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं मन्त्री जी के साथ आचार्य परिवार एवं निरीक्षण दल

अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा जी के साथ

निरीक्षण समिति के प्रतिनिधियों की सामूहिक बैठक

निरीक्षण समिति एवं प्रधानाचार्य

आचार्य समूह एवं निरीक्षण समिति

> “यह आयोजन केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि समाज एवं शिक्षा के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सशक्त सामूहिक प्रयास है।”

भौगोलिक विस्तार एवं सहभागिता

उत्कर्ष महोत्सव का आयोजन पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी आठ प्रांतों में किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत कुल **648** विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। यह संख्या अपने आप में इस कार्यक्रम की व्यापकता को दर्शाती है।

इस महोत्सव में:

1,68,773
विद्यार्थी

10,684
आचार्य

3,240
निरीक्षण समिति सदस्य

उत्कर्ष महोत्सव के प्रेरक दृश्य

प्रधानाचार्य कार्यालय का निरीक्षण करते हुए

विद्यालय निरीक्षण

निरीक्षण समिति एवं आचार्य संवाद

कार्यक्रम समन्वय

मूल्यांकन एवं सुझाव

निरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय की वर्तमान स्थिति का वस्तुनिष्ठ आकलन किया गया। इसके साथ ही गुणवत्ता सुधार हेतु महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

सीखने के अनुभव बनाना

कक्षा में केवल पढ़ाई नहीं, बल्कि सीखने को एक रोचक अनुभव बनाया जाए।
नवाचार के माध्यम से जिज्ञासा और सोचने की क्षमता को बढ़ावा दिया जाए।

तकनीक के साथ कदमताल

शिक्षा में तकनीक को सहज रूप से शामिल किया जाए ताकि सीखना आसान बने।
डिजिटल माध्यमों से ज्ञान को नई दिशा और गति दी जाए।

हर छात्र की पहचान को निखारना

प्रत्येक छात्र की प्रतिभा और रुचि को पहचान कर उसे विकसित किया जाए।
समग्र विकास के लिए विविध गतिविधियों को महत्व दिया जाए।

विद्यार्थी और समुदाय की नींब

प्रशासनिक कार्यों में खुलापन और ईमानदारी को प्राथमिकता दी जाए।
सभी हितधारकों के बीच भरोसेमंद संबंध बनाए जाएँ।

मूल्यों से सशक्त वातावरण

विद्यालय में ऐसा माहौल हो जो अनुशासन और अच्छे संस्कारों को बढ़ावा दे।
छात्रों को जिम्मेदार और सजग नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाए।

निरीक्षण की झलकियाँ

“जब प्रयास संगठित हों, तो परिवर्तन निश्चित होता है।”

उत्कर्ष महोत्सव

शिक्षा, संस्कार और गुणवत्ता का संगम

उत्कर्ष महोत्सव में सक्रिय सहभागिता

शिक्षा की गुणवत्ता और सहयोग पर प्रभावी संवाद

शिक्षा में गुणवत्ता हेतु संकल्प

दस्तावेजों के साथ गुणवत्ता मानकों की समीक्षा

गुणवत्ता उत्कृष्टता की ओर

विद्यालय विकास के लिए प्रतिबद्ध टीम

संवाद, सहयोग और सतत् प्रयास

मिलकर बढ़ते कदम, बेहतर शिक्षा की ओर

हमारा लक्ष्य

सर्वांगीण विकास

विद्यार्थियों का शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास करना।

राष्ट्रभक्ति

हिंदुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत युवा पीढ़ी निर्माण करना।

संस्कारयुक्त शिक्षा

भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान करना।

सामाजिक समरसता

वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराना।

वसुधैव कुटुंबकम

के भाव से प्रेरित हो कर विश्व कल्याण के लिए समर्पित हो।